हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 47 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 01 अप्रैल से 07 अप्रैल 2022

मुंबईः बीजेपी आमदार अंधेरी वसोर्वा विधानसभा डॉ.भारती लवेकर ने इनबिल्ट कंप्यूटर एप्लिकेशन के साथ नवीनतम डिजिटल प्रोजेक्टर वितरण किया,ई-लर्निंग के साथ स्क्रीन Educational Software भी, बेहरामबाग में ज्ञानसागर मराठी विद्यालय स्कूल के बच्चों को दिया. इस अवसर पर पार्षद नगरसेवक योगिराज दाभड़कर और पार्षद रंजना पाटिल भी उपस्थित थीं।

न्यूज आइकॉन की तरफ से सभी को रमजान मुबारक

संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला

RAMZAN -2022

RAMZAN	APRIL	DAY	SEHRI	IFTAR
1	3	SUN	5:18	6:53
2	4	MON	5:17	6:53
3	5	TUE	5:16	6:53
4	6	WED	5:15	6:54
5	7	THU	5:14	6:54
6	8	FRI	5:13	6:54
7	9	SAT	5:12	6:54
8	10	SUN	5:11	6:55
9	11	MON	5:10	6:55
10	12	TUE	5:09	6:55
11	13	WED	5:08	6:55
12	14	THU	5:08	6:56
13	15	FRI	5:07	6:56
14	16	SAT	5:06	6:56
15	17	SUN	5:05	6:56

رمضان ۱۴۴۳ھ

RAMZAN	MAY	DAY	SEHRI	IFTAR
16	18	MON	5:04	6:57
17	19	TUE	5:03	6:57
18	20	WED	5:02	6:57
19	21	THU	5:01	6:58
20	22	FRI	5:01	6:58
21	23	SAT	5:00	6:58
22	24	SUN	4:59	6:59
23	25	MON	4:58	6:59
24	26	TUE	4:57	6:59
25	27	WED	4:57	6:59
26	28	THU	4:56	7:00
27	29	FRI	4:55	7:00
28	30	SAT	4:54	7:00
29	MAY	SUN	4:53	7:01
30	2	MON	4:53	7:01

महाराष्ट्र में कोरोना को लेकर लगे सभी प्रतिबंध हटाए, मास्क पहनना अनिवार्य

मुंबई। महाराष्ट्र में गुढीपाडवा यानी नवरात्र के प्रथम दिवस दो अप्रैल से कोविड-19 से संबंधित सभी प्रतिबंध खत्म कर दिए गए हैं। लेकिन लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए मास्क का उपयोग करने व शारीरिक दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि गुढीपाडवा का मतलब है नववर्ष की शुरूआत। यह दिन पुराने से नए की ओर जाने व नए काम शुरू करने का है। पिछले दो वर्ष हमने कोरोना जैसी महामारी के विषाणु से जमकर मुकाबला किया है। अब यह दूर होता दिख रहा है। अतः एक नई शुरूआत करने के लिए दो वर्ष पहले इस बीमारी के साथ ही लगाए गए प्रतिबंध अब गुढीपाडवा, यानी दो अप्रैल से वापस लिए जा रहे हैं। उद्धव ने कहा कि कोरोना का

खतरा फिर से न आने पाए, इसलिए लोगों को कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए मास्क लगाना व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षित दूरी बनाकर रहना चाहिए। इसके अलावा वैक्सीन भी लगवानी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने भी कहा है कि प्रतिबंधों में ढील दी गई है, लेकिन हमें मास्क पहनना होगा।

गौरतलब है कि अप्रैल में ही महाराष्ट्र में गुढीपाडवा, नवरात्र, रामनवमी व आंबेडकर जयंती जैसे भीड़भाड़ वाले त्योहार आ रहे हैं। विपक्षी दल भाजपा की ओर से इन त्योहारों पर कोरोना प्रतिबंधों में ढील की मांग लगातार की जा रही थी। जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने गुढीपाडवा के दिन से ही सभी कोरोना प्रतिबंध वापस लेने की घोषणा कर दी है, लेकिन सभी सार्वजनिक त्योहारों में सावधानी बरतने के निर्देश भी दिए गए हैं। महाराष्ट्र कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में एक रहा है। इस राज्य में कोविड से अब तक एक लाख, 47 हजार, 780 मरीजों की मौत हो चुकी है।

यह देश भर में कोरोना से मरे लोगों की लगभग एक चौथाई संख्या है, लेकिन अब कोरोना के मामलों में तेजी से कमी आ रही है। मंगलवार को पूरे महाराष्ट्र में कोविड से कोई भी मौत नहीं हुई। हालांकि राज्य में अभी 960 कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र के मंत्री असलम शेख और वर्षा गायकवाड़ ने लहराई तलवार, आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज

मुंबई। कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के स्वागत के लिए एक सार्वजनिक कार्यक्रम में तलवार लहराने पर महाराष्ट्र के मंत्रियों असलम शेख और वर्षा गायकवाड़ के खिलाफ मुंबई के बांद्रा पीएस में सोमवार को आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा सकती है। पुलिस इस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है। इस मामले में कांग्रेस के कई नेताओं और पार्टी के कार्यकताओं से पूछताछ भी हो सकती है। दाऊद इब्राहिम से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है। सियासी दलों के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री असलम शेख ने माना था.

ठाणे स्थित गोदाम में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंचे दमकल वाहन

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में कन्या नगर स्थित एक गोदाम में आज तड़के करीब 3 बजकर 20 मिनट पर एक गोदाम में आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल के वाहन मौके पर पहुंच गए थे। आग इतनी भीषण थी की अभी तक उस पर काबू नहीं पाया जा सका है। आग लगने का कार्य अभी जारी है। ठाणे नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में अभी तक किसी के हताहत और या घायल होने की सूचना नहीं मिली है। आग लगने के कारणों के बारे में भी अभी जानकारी नहीं मिली पायी है। इस मामले में अभी अधिक जानकारी की प्रतीक्षा हैगौरतलब है कि बीते कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के ठाणे में एचपी पेट्रोल पंप, शिलफाटा-महापे रोड के पास एक कबाड़ गोदाम में आग लग गई थी। इसकी जानकारी मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थी।

Know Your Past, Present & FUTURE - with "My Miracles of Numerology"

Sandhiya Mehhta

Sandhiya Mehhta is a world renowned Numerologist, Vastu expert, Spiritual Healer with activated third eye. Her knowledge, wisdom and insight has helped innumerable people.

Titled as "Indian Nostradamus" and winner of many awards worldwide, she says "MY CLIENT'S REWARDS ARE MY ONLY AWARDS"

Sandhiya Mehhta is the only successful numerologist that predicts your future and helps you mould your present with scientific remedies that are unique and developed over 25 years of research.

"No stones, signature changes and blind faith can uplift you and eliminate problems, but my system of remedy has shown tremendous results for people from every walk of life be it academics, sports, celebrities or politics"

"I will consult, inform, empower and guide you to a better present and future"

Famous for Exclusive research for the trio- 4, 7, 8 - "People born on this are such intelligent & hardworking individuals but need little help to realise their full destiny which I do through my remedies and research. It's a beautiful cocoon to butterfly journey".

Book your consultation NOW

+919819921673, +919769071673

www.yellowsoul.in / Email: contact.yellowsoul@gmail.com

Sandhiya.mehhta @sandhiyamehta

All credit cards are accepted

बीएमसी आयुक्त के रिश्तेदार पर सोनू निगम को धमकाने का आरोप

मुंबईः महाराष्ट्र में भाजपा के विधायक अमित साटम ने शुक्रवार को विधानसभा में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) आयुक्त आइएस चहल के एक रिश्तेदार पर गायक सोनू निगम को धमकाने का आरोप लगाया। साटम ने दावा किया कि सोनू निगम ने शिकायत की है कि चहल के एक रिश्तेदार ने उनसे मुफ्त शो आयोजित करने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर उनके घर पर नोटिस भेजा जाएगा तथा तोड़फोड़ की गतिविधि को अंजाम दिया जाएगा। विपक्षी दल के विधायक ने राज्य सरकार से मामले में कार्रवाई की मांग की है। साटम ने विधानसभा में कहा कि सोनू निगम ने शिकायत की है कि चहल के चचेरे भाई राजिंदर उनको (सोनू निगम को) मुफ्त शो आयोजित करने के लिए कह रहे हैं। सरकार को इस मामले पर ध्यान देना चाहिए और राजिंदर तथा इकबाल सिंह चहल के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। साटम ने बाद में विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस तरह के व्यवहार को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।गायक सोनू निगम ने बीएमसी चीफ इकबाल सिंह चहल के भाई राजिंदर सिंह पहल पर आरोप लगाया था कि वह उन्हें धमका रहे हैं' अब इस पर राजिंदर सिंह पहल ने स्पष्टीकरण दिया है, साथ ही उन्होंने सोनू निगम से प्रश्न किया है कि वह देश विरोधी लोगों के साथ क्यों काम करना चाहते हैं' सोनू निगम

को लेकर हाल ही में खबर आई थी कि कि इकबाल सिंह चहल के कजिन राजिंदर ने उन्हें धमकी भरे संदेश भेजें हैं' इकबाल सिंह ने राजिंदर सिंह से सोनू की मुलाकात करवाई थी और विदेश में होने वाले एक कंसर्ट में भाग लेने के लिए कहा था' राजिंदर सिंह के प्रवक्ता ने इसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि सोनू निगम और राजिंदर सिंह के बीच कुछ मतभेद हो गया है' इसके पीछे कारण यह है कि राजिंदर सिंह रॉकी उर्फ राकेश कौशल और रेहान सिद्धकी के साथ काम नहीं करना चाहते, जिनका नाम सोनू निगम ने विदेश में होने वाले कंसर्ट के लिए प्रमोट किया है' मिस्टर राकेश कौशल और मिस्टर रेहान सिद्धकी को गृह मंत्रालय ने बैन कर रखा है'

एनएसइएल से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक की संपत्ति कुर्क

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल स्पाट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसइएल) से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक की 11.35 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने शुक्रवार को बताया कि प्रिवेंशन आफ लांड्रिंग मामले एक्ट (पीएमएलए) के तहत ठाणे में सरनाइक की संपत्ति की कुर्की के लिए आदेश जारी किया। ईडी ने कहा कि एनएसईएल मामले में आरोपितों ने लगभग 13000 निवेशकों को धोखा देने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। जांच में पाया गया कि विभिन्न निवेशकों से मिले धन को अन्य गतिविधियों जैसे रियल एस्टेट और बकाया कर्ज की अदायगी के लिए डायवर्ट किया गया। सरनाइक और उनकी कंपनियों की भूमिका के बारे में कहा कि आस्था ग्रुप नामक एक फर्म जो एनएसईएल

की एक डिफाल्ट सदस्य है, पर एक्सचेंज के प्रति 242.66 करोड़ रुपये की देनदारी है। आस्था ग्रुप ने 2012-13 के दौरान विहंग आस्था हाउसिंग प्रोजेक्ट्स एलएलपी के 21.74 करोड़ रुपये डायवर्ट किए। विहंग आस्था हाउसिंग प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा प्राप्त 21.74 करोड़ रुपये की राशि में से 11.35 करोड़ रुपये विहंग एंटरप्राइजेज और विहंग इन्फ्रा प्राइवेट लि. को हस्तांतरित किए। ये दोनों फर्म प्रताप सरनाइक और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा नियंत्रित हैं। गौरतलब है कि शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक के पुत्र विहंग सरनाइक मनी लांड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए थे। ईडी ने प्रताप सरनाइक, टॉप्स समूह और इसके प्रमोटर राहुल नंदा और कुछ अन्य की मुंबई एवं ठाणे में स्थित 10 संपत्तियों की तलाशी ली थी।

ईडी के अधिकारियों ने विहंग से पूछताछ भी की थी। पिछले महीने ईडी ने प्रताप सरनाइक के सहयोगी अमित चंडोले और टाप्स समूह के प्रबंध निदेशक एम.शशिधरन को मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था।

आर्यन खान ड्रग्स मामले में एनसीबी ने चार्जशीट दाखिल करने के लिए 90 दिन का अतिरिक्त समय मांगा

मुंबई। आर्यन खान ड्रग्स आन क्रूज मामले में सोमवार को एनसीबी की एसआइटी ने मामले में चार्जशीट दाखिल करने के लिए मुंबई सत्र न्यायालय से 90 दिन का अतिरिक्त समय मांगा। एसआइटी को दो अप्रैल तक चार्जशीट दाखिल करनी थी। गौरतलब है कि बालीवुड अभिनेता शाह रुख खान के पुत्र आर्यन खान 2021 में सबसे ज्यादा विवाद में रहे थे। आर्यन को एनसीबी ने ड्रग्स केस मामले में गिरफ्तार किया था।

दरअसल, मुंबई से गोवा जा रहे एक क्रूज पर चल रही पार्टी में छापेमारी कर आर्यन खान सहित 11 लोगों को हिसारत में लिया था। इसके बाद उन पर कई आरोप लगते नजर आए थे।

आर्यन खान को ड्रग्स केस में 25 दिन बाद बांबे हाई कोर्ट से बेल मिली थी। इस केस में आर्यन अकेले नहीं बल्कि उनके साथ अरबाज मर्चेंट, मुनमुन धमेचा का नाम भी ड्रग्स केस में शामिल रहा था।

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

खोए हुए अवसरों की दास्तान

इतनी बड़ी जीत के बाद घोषणाओं की बरसात होनी ही थी। पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद भगवंत मान ने 25 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। मुमकिन है कि ऐसी घोषणाएं आने वाले समय में कुछ और भी हों। पंजाब इस समय देश के उन राज्यों में है, जहां बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा है और रोजगार के अवसर सबसे कम। जिस पंजाब में कभी बड़ी संख्या में पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के ग्रामीण बेरोजगार ट्रेनों की छतों पर लदकर पहुंचते थे, उसके पास आज अपने नौजवानों को देने के लिए कोई भविष्य नहीं है। इसलिए ऐसी आधा दर्जन घोषणाएं अगर और भी हो जाएं, तब भी पंजाब की बेरोजगारी की समस्या हल होने वाली नहीं है। हालांकि, कम या ज्यादा यह समस्या तकरीबन सभी राज्यों में है, लेकिन पंजाब में यह कुछ ज्यादा ही गहरी हो चुकी है। पंजाब ने पिछले चार दशक में अपनी चमक खोने के अलावा कुछ हासिल नहीं किया है। हरित क्रांति के तुरंत बाद के पंजाब को याद करें, तो यह देश का सबसे खुशहाल राज्य था। इसके लहलहाते खेतों में पकी सुनहली फसलों और ट्रैक्टर पर भांगड़ा करते पंजाबी नौजवानों की तस्वीरें देश की तरक्की के उदाहरण के तौर पर सबको दिखाई जाती थीं। इसे देश का सबसे प्रगतिशील प्रदेश कहा जाने लगा था। तमाम राज्यों को नसीहत दी जाती थी कि आगे बढ़ना है, तो पंजाब जैसा बनो। लोग कहते थे कि बहुत जल्द पंजाब आर्थिक तौर पर तीसरी दुनिया का हिस्सा नहीं रह जाएगा। तब प्रति व्यक्ति औसत आय के मामले में इसका स्थान पूरे देश में सबसे ऊपर था। इसकी तुलना में अगर हम ताजा आंकड़े देखें, तो पंजाब का यह पहला स्थान धीरे-धीरे नीचे खिसकते हुए 19वें नंबर पर पहुंच गया है। यहां तक कि पंजाब से अलग हुए दो राज्य हरियाणा और हिमाचल प्रदेश भी इस फेहरिस्त में उससे काफी ऊपर पहुंच चुके हैं। कभी जो राज्य तीसरी दुनिया के अभिशाप से मुक्ति की ओर बढ़ता दिख रहा था, प्रति व्यक्ति आमदनी के मामले में आज वह नाईजीरिया और लाओस जैसे देशों के बराबर खड़ा दिखाई देता है। उस समय जो पंजाब तरक्की की छलांग लगाने की कहानी था, अब वही पंजाब पिछड़ेपन के गर्त में लगातार लुढ़कने की कथा बनता जा रहा है। कृषि प्रधान होना कभी पंजाब की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था, आज कृषि उसकी संभावनाओं को संकुचित कर रही है। खेती महाकवि घाघ के जमाने में एक उत्तम कार्य रही होगी, पर अब वह किसानों के लिए घाटे का सौदा बन चुकी है। दूसरी तरफ, राज्य की अर्थव्यवस्था को यह अलग तरह की पेचीदगी देती है। आज अगर देश का कोई प्रदेश पूरी तरह कृषि पर आधारित है, तो उसका प्रगति की दौड़ में नीचे जाना तय सा हो जाता है। अगर आप पिछले डेढ़-दो दशक को देखें, तो कृषि की विकास दर शून्य से चार फीसदी तक रही है। औसतन इसे दो फीसदी के आस-पास माना जाता है। जब बाकी प्रदेश छह-सात से दस फीसदी तक की विकास दर दर्ज करा रहा हो, तो एक राज्य का दो फीसदी वाले कारोबार पर पूरी तरह निर्भर हो जाना उसके पिछड़ते जाने को सुनिश्चित कर देता है। पूरे देश की आर्थिक स्थिति को देखें, तो पिछले चार दशक में दो ऐसे बड़े मौके आए हैं, जब कुछ राज्यों ने नए अवसर को गले लगाया और बड़ी आर्थिक उपलब्धि हासिल की। पहला मौका था सूचना तकनीक यानी आईटी से जुड़े उद्योगों का आगमन। दूसरा मौका था आर्थिक उदारीकरण का, जब देश भर में काफी संख्या में उद्योग लगे और विकास दर ने काफी तेज उछाल भरी। जो भी राज्य इन दोनों मौकों का लाभ उठाने में कामयाब रहे.

हम नई विश्व व्यवस्था की ओर

यूक्रेन पर अकारण हमले के लगभग एक महीने बाद साफ है कि युद्ध उस तरह से नहीं चल रहा है, जैसी कल्पना व्लादिमीर पुतिन ने की थी। हालांकि, अभी रूसी आक्रमण को दलदल कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन यह साफ है कि यूक्रेन के सैनिकों व नागरिकों ने जिस तरह से उग्र प्रतिरोध किया है, उसके चलते रूस अपने सैन्य और सियासी मकसद से अभी तक दूर है। युद्ध से पहले वाशिंगटन में विदेश नीति के हलकों में दो प्रमुख धारणाएं थीं- पहली धारणा यह थी कि रूसी सेनाएं कुछ ही दिनों, शायद 48 घंटों से भी कम समय में यूक्रेन की सेना को पछाड़ देंगी और मॉस्को के अनुकूल शासन की स्थापना हो जाएगी। दूसरी धारणा यह थी कि रूसी दुस्साहस चीन के मौन समर्थन से एक नई दो-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था की शुरूआत करेगा, जिसमें एक तरफ, संयुक्त राज्य अमेरिका व उसके सहयोगी होंगे और दूसरी तरफ, रूस व चीन होंगे।

मॉस्को द्वारा आक्रमण के महीने भर बाद रूस की पहली धारणा अमान्य हो गई है। यूक्रेन द्वारा दिए गए आक्रामक जवाब के चलते रूसी हमलावर कई मोर्चों पर ठिठक गए हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव को गिराने में रूस अब तक असमर्थ रहा है और रूसी पक्ष का नुकसान लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का अनुमान है कि अब तक के युद्ध में 7,000 या इससे अधिक रूसी सैनिक मारे गए हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी पर्यवेक्षकों के अनुसार, रूस को टैंक, लड़ाकू जेट और मिसाइलों के मामले में भी खासा नुकसान हुआ है। भयंकर बमबारी व मिसाइल हमलों के बावजूद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का पश्चिम-समर्थक प्रशासन न सिर्फ कायम है, बल्कि इसे यूरोप और दुनिया भर के देशों में भारी समर्थन मिल रहा है। वास्तव में, एक पूर्व कॉमेडियन व व्यवसायी जेलेंस्की पश्चिमी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में एक नायक बन गए हैं। हाल के एक जनमत सर्वेक्षण में 64 प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा कि वे जेलेंस्की के रुख से इत्तेफाक रखते हैं। इस वजह से अमेरिका में प्रशासन, रक्षा और रणनीतिकारों को यह विश्वास हो चला है कि पुतिन ने युद्ध की तैयारी करते समय यूक्रेनी प्रतिरोध और पश्चिम के संकल्प को कम आंका था। जाहिर है, पुतिन ने न सिर्फ यूक्रेनी संकल्प, बल्कि अमेरिका व उसके सहयोगियों की दृढ़ता का भी गलत आकलन किया था।आज तक के नतीजों को देखते हुए उचित ही यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विश्व व्यवस्था में बदलाव उस तरह से सामने नहीं आया है, जैसा रूस या चीन की मर्जी थी। लगता है, पिछले कई दशकों में महाशक्ति के दर्जे के लिए रूस का दावा मुख्य रूप से उसकी कल्पित सैन्य शक्ति पर टिका था। कोई संदेह नहीं कि युद्ध जितना लंबा चलेगा, पुतिन और दुनिया की दूसरी सबसे शक्तिशाली ताकत मानी जाने वाली रूसी सेना के लिए उतना ही नुकसानदेह होगा। रूस की प्रतिष्ठा काफी हद तक क्षतिग्रस्त हुई है और इसीलिए पुतिन व उनके लोग परमाणु हथियारों की चर्चा ज्यादा करने लगे हैं। युद्ध की शुरूआत में पारंपरिक धारणा यही थी कि पुतिन द्वारा छेडे. गए युद्ध का बड़ा लाभार्थी चीन होगा। जिस तरह से युद्ध हो रहा है, उसे देखते हुए शायद चीन अभी भी एक लाभार्थी होगा, लेकिन उस तरह से नहीं, जैसा पहले सोचा गया था। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने निस्संदेह यूक्रेन में पुतिन की गलतियों से सबक सीख लिया है। अमेरिका के साथ अपने व्यापारिक संबंधों की वजह से ही बीजिंग दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सका है। अब वह निश्चित रूप से ताइवान या यहां तक कि भारत के उत्तर व पूर्वोत्तर में हस्तक्षेप करते समय पहले से अधिक सतर्क रहेगा। गौर कीजिए, अब एक नई विश्व व्यवस्था उभर रही है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसे आकार देने के लिए अपने देश को प्रतिबद्ध किया है। 21 मार्च को बिजनेस राउंड टेबल के भाषण में उन्होंने कहा, ह्यचीजें बदल रही हैं, व एक नई विश्व व्यवस्था बनने जा रही है और हमें इसका नेतृत्व करना है।... हमें यह करने के लिए बाकी आजाद दुनिया को एकजुट करना होगा।ह्न नाटो, जो डोनाल्ड ट्रंप के वर्षों में पीछे हट गया था, व्लादिमीर पुतिन की बदौलत एकजुट इकाई के रूप में लौट आया है। नाटो का हर सदस्य देश मौके पर आगे आया है, इनमें स्लोवाकिया जैसे राष्ट्र भी शामिल हैं, जो शीत युद्ध के समय सोवियत खेमे में शुमार थे।

राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को नाटो, जी 7 और यूरोपीय संघ के आपातकालीन शिखर सम्मेलन के लिए ब्रुसेल्स पहुंचे। वह नाटो और यूरोप के साथ मिलकर रूस पर नए-नए प्रतिबंध लगाने में जुटे हैं। बाइडन की कोशिश है कि तेल व गैस के लिए मास्को पर यूरोपीय सहयोगियों की निर्भरता कम हो जाए। जैसा कि ऊपर जिक्र किया गया है, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के चलते खुद रूस के लिए कई अनपेक्षित और बहुत दुखद परिणाम हुए हैं। रूसी ऑपरेशन की संभावित नाकामी का एक अन्य अनपेक्षित परिणाम यह भी है कि तथाकथित ताकतवर या निरंकुश लोगों का विजयी मार्च दुनिया में धीमा पड़ सकता है।

अमेरिकी राजनीतिक विज्ञानी फ्रांसिस फुकुयामा लिखते हैं, रूसी आक्रमण ने पहले ही दुनिया भर के ऐसे लोगों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जो हमले से पहले पुतिन के प्रति किसी न किसी रूप में सहानुभूति रखते थे। लेकिन युद्ध की राजनीति ने खुले तौर पर उनके सत्तावादी झुकाव को जाहिर कर दिया है। प्रसिद्ध पुस्तक द एंड ऑफ हिस्ट्री ऐंड द लास्ट मैन के लेखक फुकुयामा लिखते हैं, ह्यपुतिन की हार से दुनिया में उदार लोकतंत्र की वापसी हो सकती है, जो कई वर्षों से पीछे हटता जा रहा है।ह्न वह कहते हैं, ह्यरूस की पराजय आजादी के नए जन्म को संभव बना देगी, और हमें वैश्विक लोकतंत्र की दुर्गंध भरी गिरावट से बाहर निकाल देगी। बहादुर यूक्रेनी समुदाय का आभार!

युद्ध ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राजनेताओं और लोगों को एक तरह से एकजुट कर दिया है, यह स्थिति 9/11 के बाद से नहीं देखी गई थी। युद्ध ने दुनिया भर में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्थन जगाया है। यह वैसी नई विश्व व्यवस्था नहीं है, जैसी पुतिन ने इस युद्ध को शुरू करते समय चाही थी.

यूपी में अब मंत्रियों का अफसरों के सहारे नहीं चलेगा काम, खुद करना होगा कैबिनेट के सामने प्रेजेंटेशन

लखनऊ। ट्रांसफार्म (सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन) का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सूत्र पहले ही अंगीकार कर चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे अपने दूसरे कार्यकाल की नई सरकार के लिए फामूर्ला बनाते नजर आ रहे हैं। कामकाज में मंत्रियों की न सिर्फ सक्रियता रहे, बल्कि वह विभाग के प्रदर्शन के प्रति जवाबदेही भी बनें, इसके स्पष्ट संकेत दे दिए गए हैं।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैबिनेट के सामने प्रस्तुतीकरण मंत्रियों को ही करना होगा, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव सिर्फ सहयोग के लिए उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लोकभवन में विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने कहा कि समस्याओं के निस्तारण की जवाबदेही भी तय की जाए। अफसर और मंत्रियों, दोनों के लिए निर्देश दिए कि कैबिनेट के समक्ष विभागीय प्रस्तुतियां संबंधित मंत्री द्वारा ही की जाएंगी। दरअसल, कई मंत्री अब तक पूरी तरह अधिकारियों पर आश्रित रहे हैं। कैबिनेट में चर्चा के लिए कोई प्रस्ताव जाने पर मंत्री उसे नहीं समझा पाते थे, तब अधिकारी सब समझाते थे।अब जिस तरह से नए मंत्रिपरिषद का गठन किया गया है, उससे इशारा मिल ही चुका है कि सरकार अब मंत्रियों के काम का आकलन भी करना चाहती है। जब एक-एक प्रस्ताव से वह सीधे जुड़े होंगे, तब उनकी जवाबदेही बनेगी और अप्रत्यक्ष रूप से नौकरशाही पर भी कुछ नियंत्रण रहेगा।इसके अलावा सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ कार्यालयों का औचक निरीक्षण करें। कार्यालयों में स्वच्छता, निस्तारित होने के लिए लंबित फाइल की स्थिति, जन शिकायतों के निस्तारण की स्थिति, कार्मिकों की उपस्थिति, समयबद्धता आदि की वस्तुस्थिति का परीक्षण किया जाए। बड़े स्तर पर चलेगा हृस्कूल चलो अभियानहृ : नए शैक्षिक सत्र की शुरूआत में सरकार हृस्कूल चलो अभियानहृ भी बड़े स्तर पर चलाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के कारण पिछले दो शैक्षिक सत्र प्रभावित रहे हैं। भौतिक पठन-पाठन नहीं हो सका। अतः आगामी सत्र की शुरूआत से पहले हृस्कूल चलो अभियानहृ को वृहद स्वरूप दिया जाना आवश्यक है।

पटना में आज एक लीटर पेट्रोल के लिए देने होंगे 112.51 रुपये

पटना। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि का सिलसिला जारी है। बुधवार की देर रात पेट्रोल की कीमत 83 पैसे, और डीजल की कीमत 79 पैसे प्रति लीटर बढ़ा दी गई। दस दिनों में आठवीं बार वृद्धि हुई है। अब पेट्रोल की कीमत 83 पैसे बढ़कर 112.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसी तरह से डीजल की कीमत भी 79 पैसे बढ़कर 97.47 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई है। नई दरें गुरुवार की सुबह छह बजे से प्रभावी हो जाएंगी। 22 मार्च से पेट्रोल और डीजल की कीमत लगातार बढ़ रही है। इस तरह 22 मार्च से अब तक पेट्रोल की कीमत में 6.15 रुपये और डीजल की कीमत में 5. 56 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है। बता दें कि देश में अब पेट्रो पदार्थ की कीमतें हर दिन तय होती हैं। सुबह छह बजे से यह प्रभावी हो जाती है। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों से पहले करीब पांच रुपये की कमी दोनों पेट्रो पदार्थों की कीमतों में की गई थी।

जय श्रीराम और जय समाजवाद की गूंज के बीच योगी आदत्यिनाथ और अखिलेश समेत विधान सभा के 402 सदस्यों ने ली शपथ

लखनऊ। अठारहवीं विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाने का कार्यक्रम मंगलवार को भी जारी रहा। आज बचे हुए 54 विधायकों को सदन की सदस्यता की शपथ प्रोटेम स्पीकर रमापति शास्त्री ने दलाई। बता दें कि जेल में होने की वजह से आज रामपुर से विधायक चुने गए आजम खां शपथ लेने नहीं आ सके। इसलिए शपथ लेने वाले कुल वधायकों की संख्या 402 रही।विधान सभा मंडप में सोमवार को शुरू हुए शपथग्रहण कार्यक्रम में प्रोटेम स्पीकर रमापति शास्त्री ने नेता सदन के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नेता विरोधी दल के तौर पर अखिलेश यादव और विधायक निर्वाचित हुए मंत्रिपरिषद के सदस्यों को शपथ दिलाई थी। सदस्यों को शपथ दिलाने के लिए राज्यपाल की ओर से नामित किये गए वरिष्ठ सदस्यों सुरेश खन्ना, रामपाल वर्मा और जय प्रताप सिंह ने सदन के अन्य सदस्यों को शपथ दिलाई। पहले दिन कुल 348 सदस्यों को शपथ दिलाई गई थी। बाकी सदस्यों को मंगलवार को यानी आज शपथ दिलाई गई। शपथग्रहण समारोह के दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों की ओर से लगाये गए जय श्री राम, भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारों से सदन गूंजता रहा तो सपा सदस्यों ने हृजय भीम, जय समाजवादहृ और हृजय जवान, जय किसानहृ के नारे बुलंद किए। गर्मजोशी से मिले योगी-अखिलेश : विधान सभा चुनाव में एक-दूसरे पर तीखे शब्दबाण चलाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सबकी निगाहें लगी थीं। अखिलेश तकरीबन 10.45 बजे सदन में पहुंचे तो सपा सदस्यों के बीच उनसे मिलने और उनके साथ सेल्फी लेने की होड़ मच गई। भाजपा के वरिष्ठ नेता सूर्य प्रताप शाही, सतीश महाना और दयाशंकर ने विपक्ष की बेंच की ओर आकर अखिलेश से कुशलक्षेम पूछी।

कविता

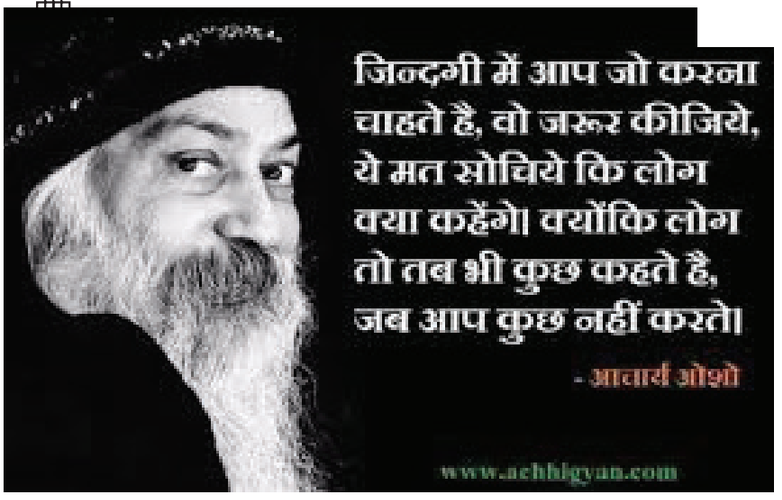

कहै कबीर दीवाना-ओशो

उससे कम में जो गुरु राजी हैं, वे तुम्हारे जैसे ही हैं। वे गुरु है। वे भी तीसरे ही दर्जे के लोग हैं, जो वस्तुओं के प्रेम में पड़े हैं। गुरु तुम्हें चाहता है। उससे कम काम नहीं चलेगा। अपना सिर ही लेकर आओ। कबीर ने कहा है कि जिसकी हिम्मत हो, आ जाए; सिर रखे और ले जाए सब। लेकिन वह सिर रखना शर्त है।

गुरु एक मृत्यु है क्योंकि एक पुनर्जीवन भी है। मृत्यु के बाद ही पुनर्जीवन होगा। गुरु एक मृत्यु है क्योंकि गुरु एक जन्म भी है। अब केले का क्या कसूर है? केले ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा? इसको तुम काहे को चढ़ा रहे हो? आदमी सदा से चढ़ता आया है दूसरी चीजें। कभी पशु चढ़ाता रहा है, कभी फल चढ़ाता रहा, कभी फूल चढ़ाता रहा। यह सिर्फ अपने को चढ़ाने से बचने की व्यवस्था है। **जारी...**

क्या डायबिटीज में सीताफल (शरीफा) खा सकते हैं?

सीताफल या शरीफा एक मीठा फल है जिसे खाना लोग बेहद पसंद करते हैं। ये फल कई पौष्टिक गुणों से भरपूर है। इसमें कुछ एंटीऑक्सीडेंट हैं जो कि शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है। तो, इसमें कुछ फ्लेवोनोइड्स, कैरोटेनॉयड्स और विटामिन सी भी होते हैं जो कि कई बीमारियों से बचाव में मदद करते हैं। साथ ही इसका विटामिन बी 6 मूड स्विंग्स से लड़ रहे लोगों के लिए भी फायदेमंद होता है। पर आज हम आपको सीताफल के फायदे नहीं बल्कि, इनसे जुड़े कुछ लोकप्रिय मिथकों के बारे में बताएंगे, जिसके कारण लोग इन्हें खाने से बचते हैं। दरअसल, सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर ने हाल ही में इस लेकर 4 लोकप्रिय भ्रमों के बारे में बताया जिसके कारण लोग इसे खाने से बचते हैं, जबकि उस स्थिति में भी ये उनके लिए फायदेमंद है। तो, आइए न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर से जानें इन मिथकों के तथ्यों के बारे में। डायबिटीज में कुछ फल खाने को लेकर अक्सर मना किया जाता है पर ज्यादातर लोग इसके कारणों के बारे में नहीं जानना चाहते। सीताफल को लेकर भी कुछ ऐसी ही बात कही जाती है कि डायबिटीज में इसे खाने

से शुगर बढ़ जाता है और इसलिए ये नुकसानदेह है। जबकि न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर कहती हैं कि ये बात एक भ्रम है जबकि डायबिटीज में इसे खाना फायदेमंद है। रुजुता दिवेकर बताती हैं कि सीताफल (शरीफा) एक लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला फल है और डायबिटीज में इसे खाया जा सकता है। साथ ही मधुमेह रोगियों के लिए ये एक स्थानीय और मौसमी फलों है जिसे वे खा सकते हैं। 2. सीताफल बढ़ाता है मोटापा सीताफल खाने को लेकर लोगों को लगता है कि ये मोटापा बढ़ा सकता है। जबकि ऐसा नहीं है। रुजुता दिवेकर बताती हैं कि ये भ्रम है जबकि सीताफल में विट बी कॉम्प्लेक्स होता है जो कि, विशेष रूप से ब्लॉटिंग को कम करने में मदद करता है।

साथ ही ये फाइबर से भरपूर होता है जो कि मेटाबोलिज्म तो ठीक करता है और वजन घटाने में आसानी से मदद करता है। तो, सीताफल खाने से डरे नहीं कि ये आपका वजन बढ़ा देगा बल्कि आप इसे एक वेट लॉस सीताफल खाने को लेकर ज्यादातर लोगों को लगता है कि ये दिल की बीमारियों वाले लोगों के नुकसानदेह है, पर ऐसा नहीं है।

बिजली का करंट लगने से मरते-मरते बची थीं उर्फी जावेद

टीवी अभिनेत्री और बिग बॉस ओटीटी की कंटेस्टेंट उर्फी जावेद आए दिन अपनी बोल्डसेन की वजह से सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। इसके अलावा वह अपनी निजी जिंदगी के कारण भी बहुत बार सुर्खियों में आ चुकी हैं। उर्फी जावेद अक्सर अपनी जिंदगी को लेकर खास खुलासे करती रहती हैं। अब उन्होंने अपने साथ हुए एक दर्दनाक हादसे के बारे में बताया है।उर्फी जावेद ने खुलासा किया है कि एक बार वह बिजली के करंट की चपेट में आ गई थीं। इस दौरान उनकी मां ने मौके पर पहुंचकर उनकी जान बचा ली थी। हालांकि करंट की वजह से उर्फी जावेद के हाथ पर आज तक निशान है। इस बात का खुलासा अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के

जरिए किया है। उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं।

उर्फी जावेद ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में उर्फी जावेद अपनी हथेली दिखाती दिख रही हैं। तस्वीर में उनकी हथेली पर एक जख्म का निशान भी नजर आ रहा है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उर्फी जावेद ने अपने साथ हुई दर्दनाक घटना के बारे में बताया है। उन्होंने खास कैप्शन लिख इस घटना के बारे में जानकारी दी है।

उर्फी जावेद ने कैप्शन में लिखा, ह्यमजेदार सच्चाई, मैंने गलती से एक बार बिजली का नंगा तार पकड़ लिया था। मैं तार पकड़ते ही बेहोश हो गई थी। करंट का असर इतना ज्यादा था कि मेरे हाथ में छोटा छेद हो गया था। मेरी मां समय पर वहां आ गईं और उन्होंने मुझे बचा लिया था !

पंजाब किंग्स में है दम

लेकिन केकेआर से मिल सकती है कड़ी टक्कर

मुंबई। PBKS vs KKR: अब तक एक बार भी आइपीएल का खिताब नहीं जीत सकी पंजाब किंग्स इस बार मजबूत नजर आ रही है। आरसीबी को पहले मुकाबले में हराने वाली पंजाब किंग्स ने 200 से ज्यादा रनों के लक्ष्य का पीछा किया था। हालांकि उनकी गेंदबाजी अपेक्षाकृत कमजोर नजर आई। राहत की बात यह है कि उनके दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा का तीन दिवसीय क्वारंटाइन पूरा हो गया और ऐसे में उनके खेलने की उम्मीद है। इससे

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शुक्रवार को होने वाला मुकाबला तगड़ा होने की उम्मीद है। वहीं पिछले मैच में केकेआर को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से तीन विकेट की हार मिली थी, लेकिन उसके गेंदबाजों ने बाद में बेहतर प्रदर्शन किया।

पंजाब की बल्लेबाजी है मजबूत : पंजाब के लिए काफी कुछ उसके शीर्ष तीन खिलाड़ियों कप्तान मयंक अग्रवाल, शिखर धवन और श्रीलंकाई भानुका राजपक्षे पर निर्भर होगा। राजपक्षे ने आरसीबी के खिलाफ मैच में विजयी पारी खेली थी। मध्यक्रम में ओडियन स्मिथ और शाह रुख खान ने आरसीबी के खिलाफ अपनी कमाल की बल्लेबाजी की थी। अंडर-19 विश्व कप स्टार राज बावा को एक और मौका मिल सकता है। रबादा के आने पर हरप्रीत बरार, संदीप शर्मा और अर्शदीप सिंह में से किसी एक को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। स्पिनर राहुल चाहर अच्छा कर रहे हैं।

दिनेश कार्तिक, केकेआर की बल्लेबाजी समस्या : कोलकाता के सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे और आक्रामक वेंकटेश अय्यर आरसीबी के खिलाफ सस्ते में आउट हो गए। रहाणे को मजबूत शुरूआत करनी होगी। श्रेयस अय्यर फिर से वापसी करने में सक्षम हैं।

इन दोनों के अलावा मध्यक्रम की जिम्मेदारी सैम बिलिंग्स, शेल्डन जैक्सन और ह्यबिग हिटर आंद्रे रसेल के कंधों पर होगी। केकेआर के लाइनअप में ऐसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं और टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि पंजाब के खिलाफ ये सभी एकजुट होकर प्रदर्शन करें।

इन खिलाड़ियों पर होगी चेन्नई को जीत दिलाने की जिम्मेदारी

प्लेइंग इलेवन में मोइन अली की वापसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के ओपनिंग मैच में चेन्नई को पिछले साल की उपविजेता टीम से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में पिछले साल के आरेंज कैप होल्डर रुतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी चेन्नई के लिए चिंता की बात रही थी। हालांकि 2 साल बाद धौनी की अर्धशतकीय पारी ने टीम की उम्मीदों को नया पंख जरूर दिया था। मैच में चेन्नई की टीम बड़ी मुश्किल से 131 रनों का लक्ष्य हासिल कर पाई थी। धौनी के अलावा चेन्नई की तरफ से कोई भी बल्लेबाज अपना दम नही दिखा पाया था। इस मैच में सीएसके के लिए अच्छी बात ये है कि मोइन अली उपलब्ध होंगे। गायकवाड़ के साथ न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज डेवान कान्वे सीएसके के लिए पारी की शुरूआत कर सकते हैं। पहले मैच में दोनों कुछ खास नहीं कर पाए थे।

बैंगलोर की जीत के बाद अंक तालिका में हुआ बदलाव

टाप पर है विस्फोटक कप्तान की टीम

नई दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में अब सभी टीमें एक एक मैच खेल चुकी है। अंक तालिका में अब टीम के फैंस की दिलचस्पी बढ़ रही है क्योंकि इस बार मुकाबला 8 नहीं बल्कि 10 टीमों के बीच है। बुधवार को बैंगलोर और कोलकाता की टीमों के बीच एक बेहद रोमांचक मैच खेला गया। इस मैच के बाद अंक तालिका में बदलाव हुए। बैंगलोर ने

शानदार गेंदबाजी के दम पर कोलकाता को टूनार्मेंट के छठे मुकाबले में महज 128 रन के स्कोर पर रोका। लक्ष्य आसान दिख रहा था लेकिन कोलकाता के गेंदबाजों ने इसे मुश्किल बना दिया।

Begin your Journey to a Better Life
With Peace, Love, & Happiness

YOGA classes available
Session 5 days a week
Offline & Online

FREE TRIAL CLASS

C- 505, Badri bldg, Mathuradas road, Kandivali (W), Mumbai- 400067.

YOGA BY ZAINAB
70213 01200

ICON OPTICAL GALLERY

- Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....
- Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....
- Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....
- Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.
- We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY

Urgently Required Female Staff
Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.

Note : Must Have Computer Operating Knowledge

Contact Us : 9819292152

Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub

Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items

And much more.....all under one roof

Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment

Farida Rampurawala :
8898065152

RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net